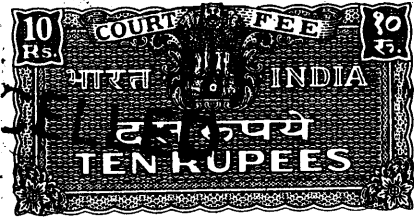
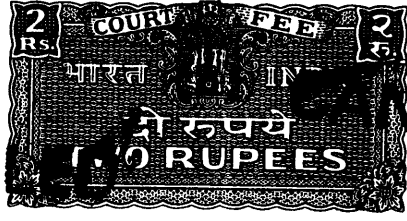
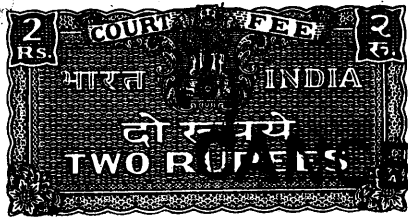
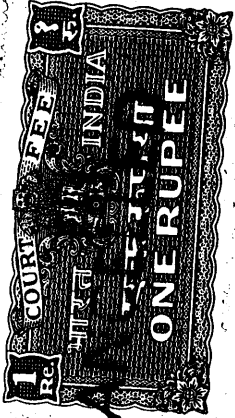


माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर (म०प्र०)



R 777-11108



पूरन तनय बाल गोविन्द जायसवाल निवासी ग्राम झार
 तहसील देवसर जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश..... आवेदक
 विरुद्ध
 मध्य प्रदेश शासन..... अन्यवेदक

निगरानी विरुद्ध निर्णय आर आयुक्त रीमा
 संख्या रीमा प्रकरण क्रमांक 880/निगरानी/04-08
 निर्णय दिनांक 22-8-2002 उपर स्वामी निगरानी
 आर कलेक्टर देवसर अन्तर्गत प्लॉट 40 मध्य प्रदेश

Handwritten signature and date: 07/09/08
 द्वारा आज दि. 07/09/08 को

विक्रय रिपोर्ट के लिए उपभोग की जा रही प्लॉट 2014/11
 निगरानी/ देवसर, 9828
 मध्य आवेदक की ओर से निम्न निगरानी प्रकरण जी जा रही है :

1- यह की प्रकरण का सूक्ष्म विवरण इस प्रकार है कि आवेदक एक भूमिहीन कृषक है जिसने नायाव तहसीलदार देवसर के न्यायालय में पित्त, चाचा एवं लद में अपने कब्जे की भूमि क्रमांक शासकीय 2804/0.20-2893/0.98-2896/0.00 व 2834/0.92 के पट्टे प्रदाय हेतु मध्य प्रदेश कब्रन रहित भूमि विशेष अपवाद अधिनियम 1968 के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। बाद जॉन पट्टे दिनांक 0-12-2002 को नायाव तहसीलदार देवसर द्वारा प्रदान किया गया। आवेदक उसके पिता व चाचा वर्ष 1960x69 से इन भूमियों पर काबिज चले आ रहे है। जैसा कि अनुविभागीय पदाधिकारी ने अपने निर्णय में ही माना है।

2- यह कि पट्टे की राजस्व अभिलेखों में प्रविष्टि भी हो गई और चार वर्ष तक अनवेदक अनवरत कृषि करर्ज भी कर रहा रहा। इस बीच उक्त आसजियात में ही आवेदक अपना रहस्यी मकान बना कर रह रहा है तथा काफी मिट्टी डाल कर कई मेड़ें भी कीमती करीबन 24,000/- की बना चुका है।

3- यह की चार वर्ष बाद तहसीलदार की रिपोर्ट पर अपर कलेक्टर देवसर ने प्रकरण स्वामी निगरानी में लेकर प्रदान किया गया परंतु निरस्त

Handwritten signature
 शारदा प्रगारी (रा.मं.)
 कार्यालय महाविद्यालय, ग्वालियर

Handwritten signature
 AA 717108
 (कुशांबु कुशाशर्मा)


Handwritten mark

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

मामला क्र०-R.777-III/08

जिला-सिंगरौली

पूरन प्रसाद जायसवाल / शासन (म०प्र०)

(1)	(2)	(3)
01.02.17	<ol style="list-style-type: none">1. प्रकरण प्रस्तुत।2. आवेदक तथा उनके अधिवक्ता की पुकार करायी गयी किन्तु सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है।3. चूंकि आवेदक तथा अभिभाषक सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है। अतः संहिता की धारा-35(2) के तहत प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।4. आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को भेजा जावे, तत्पश्चात् प्रकरण पंजी से समाप्त होकर दा.द. हो। <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	

M